Q.2) प्लास्टिक !- प्लास्टिक प्राकृतिक अथवा कृत्रिम रेजिन
A. से तैयार किया गया एक ऐसा कार्बनिक पदार्थ है।
जिसको ऊष्मा या दाब के साथ किसी भी
अभीष्ट आकृति में ढाला जा सकता है तथा
जो ठण्डा होने पर कठोर हो जाता है।
प्लास्टिक से असंख्य प्रकार के उत्पाद बनाये जा
सकते हैं।

गुण :- निम्न गुण पाए जाते हैं।
भार में हल्कापन
(1) उत्तम संक्षारण प्रतिरोधकता
(2) अधिकांश रसायनों का उत्तम प्रतिरोध
(3) ऊष्मा कुचालकता
(4) नमी तथा ग्रीस का प्रतिरोधी
(5) अनुनादहीनता

(6) इंजेक्शन मोल्डिंग :- इस संचकन विधि का सामान्यतः
ताप - सुनम्य प्लास्टिकों के संचकन में उपयोग होता
है, चूंकि ताप - सुनम्य प्लास्टिक ऊष्मा ग्रहण
करके नरम हो जाते हैं और ठण्डा होने पर पुनः
कठोर हो जाते हैं। गरम और ठण्डा होने से इस
चक्र में पदार्थों की कोई रासायनिक क्रिया नहीं
होती तथा यह परिवर्तन पूर्णरूपेण भौतिक प्रकृति
वाला होता है। इस तरह नरम होने और
पुनः कठोर होने की क्रिया कई बार दोहराई भी
जा सकती है। ~~[illegible]~~ अन्तःक्षेपण संचकन
मशीन में रेजिन चूर्ण नामक संचकन पदार्थ
के गोलों का प्रयोग किया जाता है। आर्द्रता समाप्त
करने हेतु रेजिन चूर्ण को पहले गर्म कर लिया
जाता है फिर हॉपर में भर दिया जाता है। इस
सिलेण्डर के भीतर इस चूर्ण का ताप वैद्युत ऊष्मक
द्वारा 177°C से 274°C तक पहुंचा दिया जाता है। जिससे
चूर्ण पिघल जाता है तथा compress द्वारा डाई में पहुंचा दिया
जाता है।